



प्रश्न पुस्तिका / QUESTION BOOKLET

विषय / Subject : Philosophy
Paper-II

3300041

कोड / Code : 33

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या /
Number of Pages in Booklet : 64

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या /
Number of Questions in Booklet : 150

Philosophy

33

विषय कोड



बुकलेट
सीरीज

समय / Time : 3.00 घंटे / Hours

पूर्णांक / Maximum Marks : 300

: INSTRUCTIONS :

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.
6. 1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer. (A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.)
7. The candidate should ensure that Series Code of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the envelopes. In case they are different, a candidate must obtain another question paper of the same series. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. 5 marks will be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.
10. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorised material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under Section 3 of the R.P.E. (Prevention of Unfairmeans) Act, 1992. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations of the Commission.

: निर्देश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है। किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा।
7. प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के लिफाफे की सील खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही सीरीज अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है। इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से प्रश्न-पत्र की ही सीरीज वाला दूसरा प्रश्न-पत्र का लिफाफा प्राप्त कर लें। ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।
8. मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सवधानी पूर्वक सही भरें। गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांकों में से अनिवार्य रूप से काटे जाएंगे।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी और आर. पी. ई. (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के नियम 3 के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

CC33



1 Philosophy is not :

- (1) love of wisdom
- (2) study of the causal relation related spatiotemporal and events
- (3) study of the own subject content with arguments
- (4) study of the essential nature of the fundamental categories of a subject

दर्शनशास्त्र नहीं है :

- (1) सत्य के प्रति प्रेम
- (2) देश और काल में स्थित घटनाओं के मध्य विद्यमान कारणकार्य सम्बन्ध का अध्ययन
- (3) अपनी विषय वस्तु का युक्तियों सहित अध्ययन
- (4) किसी भी विषय की आधारभूत कोटियों का अध्ययन

2 An unscientific explanation is that which is :

- (1) beyond examination
- (2) empirically proved
- (3) amendable
- (4) capable to predicting future events

एक अवैज्ञानिक व्याख्या वह है जो :

- (1) अपरीक्षणीय हो
- (2) अनुभवों द्वारा प्रमाणित हो
- (3) संशोधनीय हो
- (4) जिसमें भविष्य की घटनाओं का पूर्वानुमान करने की क्षमता हो

3

Logic is :

- (1) the science of the laws of thought
- (2) the science of reasoning
- (3) the study of methods used for distinguishing correct and incorrect reasoning
- (4) the study of the methods of winning the debate

तर्कशास्त्र है :

- (1) विचार के नियमों का विज्ञान
- (2) तर्कणा का विज्ञान
- (3) सही और गलत तर्कों में अन्तर करने की विधियों का अध्ययन
- (4) वादविवाद में विजय प्राप्त करने की विधियों का अध्ययन

4 Conclusion of a inductive reasoning is :

- (1) necessarily true
- (2) necessarily false
- (3) probability true
- (4) All of the above

एक आगमनात्मक तर्क का निष्कर्ष होता है :

- (1) अनिवार्यतया सत्य
- (2) अनिवार्यतया असत्य
- (3) सम्भाव्य सत्य
- (4) उपरोक्त सभी

5 A deductive argument is invalid only when :

- (1) all of its premises are simultaneously true and conclusion is false.
- (2) its all premises are simultaneously false and conclusion is also false
- (3) its all premises are simultaneously false and conclusion is true
- (4) some of its premises are false and conclusion is also false

एक निगमनात्मक तर्क तभी अवैध होता है जबकि :

- (1) उसके सभी आधारवाक्य एक साथ सत्य हों तथा निष्कर्ष असत्य हो।
- (2) उसके सभी आधारवाक्य एक साथ असत्य हों तथा निष्कर्ष भी असत्य हो।
- (3) उसके सभी आधारवाक्य एक साथ असत्य हों और निष्कर्ष सत्य हो।
- (4) उसके कुछ आधारवाक्य असत्य हों और निष्कर्ष भी असत्य हो।

6 In scientific method a predictive and directional statement for scientific inquiry is called :

- (1) evidence
- (2) principle
- (3) argument
- (4) hypothesis

वैज्ञानिक विधि में प्रयुक्त वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु दिशानिर्देश करने वाले सम्भावनापरक वाक्य को कहा जाता है :

- (1) साक्ष्य
- (2) सिद्धान्त
- (3) युक्ति
- (4) प्राक्कल्पना

7 Two proposition, which have same subject and predicate terms and which can not by simultaneously true, are called :

- (1) Tautology
- (2) Contradictory propositions
- (3) Contingent proposition
- (4) Atomic proposition

समान उद्देश्य और विधेय पद वाले दो तर्कवाक्य, जो एक साथ सत्य नहीं हो सकते, कहलाते हैं :

- (1) पुनर्कथन
- (2) व्याघाती तर्कवाक्य
- (3) संभाव्य तर्कवाक्य
- (4) आणविक तर्कवाक्य

"Whatever phenomenon varies in any manner whenever another phenomenon varies in some particular manner is either a cause or an effect of that phenomenon or is connected with it through some fact of causation" According to Mill the method of inquiry of causal relation is called :

- (1) Method of Agreement
- (2) Method of Difference
- (3) Method of Concomitant Variation
- (4) Method of Residues

“यदि कोई घटना किसी अन्य घटना के साथ साथ किसी विशिष्ट प्रकार से परिलक्षित होती है तो वह दूसरी घटना पहली घटना का या तो कारण है या कार्य है या किसी अन्य प्रकार से उससे कारणात्मक सम्बन्ध से सम्बन्धित है।” कारणकार्य नियम के अनुसंधान की मिल की यह विधि कहलाती है :

- | | |
|----------------|-------------------|
| (1) अन्वय विधि | (2) व्यतिरेक विधि |
| (3) सहचार विधि | (4) अवशेष विधि |

9 According to Nyaya Philosophy avayavas of Pararthanuman are :

- (1) 2
- (2) 3
- (3) 4
- (4) 5

न्याय दर्शन के अनुसार परार्थानुमान के अवयव हैं :

- (1) 2
- (2) 3
- (3) 4
- (4) 5

10 Kumaril accepts :

- (1) Svatah pramanyavad, Svatah apramanyavad
- (2) Svatah pramanyavad, Partah apramanyavad
- (3) Partah pramanyavad, Partah apramanyavad
- (4) Partah pramanyavad, Svatah apramanyavad

कुमारिल स्वीकार करते हैं :

- (1) स्वतः प्रामाण्यवाद, स्वतः अप्रामाण्यवाद
- (2) स्वतः प्रामाण्यवाद, परतः अप्रामाण्यवाद
- (3) परतः प्रामाण्यवाद, परतः अप्रामाण्यवाद
- (4) परतः प्रामाण्यवाद, स्वतः अप्रामाण्यवाद

11 According to Buddhist philosophy knowledge of absence of a thing is :

- (1) Through Pratyaksh (perception)
- (2) Through Anuman (inference)
- (3) Through Arthapatti (complication)
- (4) Through Anupalabdhi (non availability)

बौद्ध दर्शन के अनुसार किसी वस्तु के अभाव का ज्ञान होता है :

- (1) प्रत्यक्ष से
- (2) अनुमान से
- (3) अर्थापत्ति से
- (4) अनुपलब्धि से

According to Buddhist philosophy 'Swabhav Hetu' is that which is related to Sadhya through :

- | | |
|-------------------------|----------------------------|
| (1) Samvaya (inherence) | (2) Sanyoga (conjunction) |
| (3) Tadatmya (identity) | (4) Tadutpatti (caused by) |

बौद्ध दर्शन के अनुसार 'स्वभाव हेतु' वह है जिसका साध्य के साथ सम्बन्ध है :

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) समवाय | (2) संयोग |
| (3) तादात्म्य | (4) तदुत्पत्ति |

13 In the process of acquiring knowledge of Vyapti the presence of examples of Sadhya, while perceiving examples of Hetu is called :

- | | |
|------------|------------------|
| (1) Tark | (2) Upadhinirasa |
| (3) Anvaya | (4) Vyatireka |

व्याप्ति सम्बन्ध के ज्ञानार्जन की प्रक्रिया में हेतु के दृष्टान्तों के प्रत्यक्ष होने पर साध्य के दृष्टान्तों के भी प्रत्यक्ष होने को कहा जाता है :

- | | |
|-----------|----------------|
| (1) तर्क | (2) उपाधिनिरास |
| (3) अन्वय | (4) व्यतिरेक |

14 Three types of inferences - Kevalaanvayai Anuman, Kevalvyatireki Anuman and Anvayavyatireki Anuman are accepted by :

- | | |
|---------------------|-------------------------|
| (1) Jain philosophy | (2) Buddhist philosophy |
| (3) Pracheen Nyaya | (4) Navya Nyaya |

अनुमान के तीन प्रकार - केवलान्वयी अनुमान, केवलव्यतिरेकी अनुमान और अन्वयव्यतिरेकी अनुमान स्वीकार करता है :

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (1) जैन दर्शन | (2) बौद्ध दर्शन |
| (3) प्राचीन न्याय | (4) नव्य न्याय |

15 According to Nyaya Philosophy Purvavat Anuman is :

- (1) a inference of effect from cause
- (2) a inference from effect to cause
- (3) either it is a inference from cause to effect or from effect to cause
- (4) a inference which is not based on causal relation

न्याय दर्शन के अनुसार पूर्ववत् अनुमान है :

- (1) कारण से कार्य का अनुमान
- (2) कार्य से कारण का अनुमान
- (3) या तो कारण से कार्य का अनुमान अथवा कार्य से कारण का अनुमान
- (4) एक ऐसा अनुमान, जो कारणकार्य सम्बन्ध पर आधारित नहीं है

16 According to Buddhism object of inference is :

- (1) svalakshan
- (2) samanyalakshan
- (3) both svalakshana and samanyalakshana
- (4) neither svalakshana nor samanyalakshana

बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमान का विषय है :

- (1) स्वलक्षण
- (2) सामान्यलक्षण
- (3) स्वलक्षण और सामान्यलक्षण दोनों
- (4) न स्वलक्षण और न ही सामान्यलक्षण

17 "Sky-flower exists, because it is a flower". This inference has the fallacy :

- (1) Asiddha
- (2) Virudha
- (3) Badhit
- (4) Satpratipaksha

“आकाशकुसुम की सत्ता है क्योंकि वह कुसुम है।” इस अनुमान में हेत्वाभास है :

- (1) असिद्ध
- (2) विरुद्ध
- (3) बाधित
- (4) सत्प्रतिपक्ष

18 All dogs are mammals.

All cats are mammals.

Therefore all cats are dogs.

This syllogism has the fallacy of :

- (1) illicit major term
- (2) illicit minor term
- (3) undistributed middle term
- (4) existential fallacy

सभी कुत्ते स्तनपायी हैं।

सभी बिल्लियाँ स्तनपायी हैं।

अतः सभी बिल्लियाँ कुत्ते हैं।

इस युक्ति में तर्कदोष है :

- (1) अव्याप्त मुख्य पद दोष
- (2) अव्याप्त अमुख्य पद दोष
- (3) अव्याप्त मध्यम पद दोष
- (4) सत्तात्मक दोष

19 The following Venn diagram illustrates :



- (1) All S are P. (2) No S are P.
(3) Some S are P. (4) Some S are not P.

निम्नलिखित वेन आलेख चित्रित करता है :



- (1) सभी उद्देश्य विधेय हैं। (2) कोई उद्देश्य विधेय नहीं है।
(3) कुछ उद्देश्य विधेय हैं। (4) कुछ उद्देश्य विधेय नहीं है।

20 According to Buddhist Philosophy essential characteristic of Hetu is :

- (1) Pakshsatva, Sapakshsatva
(2) Pakshsatva, Vipakshaduyavrite
(3) Sapakshsatva, Vipakshadvyavriti
(4) Pakshsatva, Sapakshsatva, Vipakshadvyavriti

बौद्ध दर्शन के अनुसार हेतु की अनिवार्य विशेषताएँ हैं :

- (1) पक्षसत्व, सपक्षसत्व
(2) पक्षसत्व, विपक्षाद्व्यावृत्ति
(3) सपक्षसत्व, विपक्षाद्व्यावृत्ति
(4) पक्षसत्व, सपक्षसत्व, विपक्षाद्व्यावृत्ति

21 According to Nyaya Philosophy 'Vitanda' is :

- (1) Proving swapaksh and refuting Parpaksh
- (2) Proving only Swapaksh
- (3) Only refuting Parpaksh
- (4) None of the above

न्याय दर्शन के अनुसार वितण्डा है :

- (1) स्वपक्ष सिद्धि और परपक्ष का खण्डन
- (2) मात्र स्वपक्ष की सिद्धि
- (3) मात्र परपक्ष का खण्डन
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

22 A if : then proposition is False when its

- (1) If portion is true and then portion is also true
- (2) If portion is true and then portion is false
- (3) If portion is false and then portion is true
- (4) If portion is false and then portion is false

यदि : तो आकार का तर्कवाक्य तभी असत्य होता है जबकि उसका :

- (1) यदि भाग सत्य हो और तो भाग भी सत्य हो।
- (2) यदि भाग सत्य हो और तो भाग असत्य हो।
- (3) यदि भाग असत्य हो और तो भाग सत्य हो।
- (4) यदि भाग असत्य हो और तो भाग भी असत्य हो।

23 According to traditional square of opposition if a A proposition is true then the proposition with same subject and predicate :

- (1) E is true, I is true, O is false
- (2) E is false, I is true, O is false
- (3) E is false, I is false, O is false
- (4) E is true, I is true, I and O are false

परम्परागत विरोध वर्ग के अनुसार यदि एक प्रतिज्ञप्ति A सत्य है तो उसके समान उद्देश्य और विधेय वाली प्रतिज्ञप्तियाँ :

- (1) E सत्य है, I सत्य है, O असत्य है।
- (2) E असत्य है, I सत्य है, O असत्य है।
- (3) E असत्य है, I असत्य है, O असत्य है।
- (4) E सत्य है, I और O असत्य हैं।

24 Pratiyasamutpad theory refutes :

- (1) The existence of eternal entities
- (2) The existence of momentary entities
- (3) Cause and effect relationship's presence in the events of the world
- (4) Coming in to existence of one through the destruction of another

प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धान्त खण्डन करता है :

- (1) शाश्वत पदार्थ की सत्ता का
- (2) क्षणिक पदार्थ की सत्ता का
- (3) जगत की घटनाओं में विद्यमान कारणकार्य सम्बन्ध का
- (4) एक वस्तु के विनाशपूर्वक दूसरी वस्तु की उत्पत्ति का

25 In Indian Philosophy a orthodox philosophy is that which believes

- (1) in God, Soul and Karmasiddhanta
- (2) in Vedas
- (3) in moral values
- (4) in humanism

भारतीय दर्शन में आस्तिक दर्शन वह है जो विश्वास करता है

- (1) ईश्वर, आत्मा और कर्मसिद्धान्त में
- (2) वेद में
- (3) नैतिक मूल्यों में
- (4) मानवतावाद में

26 The first Aryasatya according to Buddha is :

- (1) The final aim of human life is to make this life most pleasant.
- (2) Attaining liberation is the ultimate goal of human life.
- (3) There is suffering (Dukh).
- (4) There are means of cessation of suffering.

बुद्ध के अनुसार प्रथम आर्यसत्य है :

- (1) इस जीवन को अधिकतम सुखमय बनाना ही मानव जीवन का चरम लक्ष्य है।
- (2) मोक्ष प्राप्ति ही मानव जीवन का चरम लक्ष्य है।
- (3) दुःख है।
- (4) दुःख की समाप्ति का उपाय है।

27 Rit is :

- (1) Natural and Moral law that governs the universe
- (2) Law of God
- (3) Nitya and Naimitic Karm according to Vedas
- (4) Social and Political laws propounded by Dharmshastra

ऋत है :

- (1) ब्रह्माण्ड को संचालित करने वाले प्राकृतिक और नैतिक नियम
- (2) ईश्वरीय नियम
- (3) वेदों द्वारा प्रतिपादित नित्य और नैमित्तिक कर्म
- (4) धर्मशास्त्रों द्वारा प्रतिपादित सामाजिक और राजनीतिक नियम

28 Prarabdhkarm is :

- (1) Karms of the past, results of which are to be reaped in present birth.
- (2) Karms of past which has not yet started reaping.
- (3) Karms of past which are never to be reaped.
- (4) Karms being done presently, whose fruits are to be reaped in future.

'प्रारब्ध' कर्म हैं :

- (1) पूर्व में किये गये कर्म जिनका फल भोग वर्तमान जन्म में किया जाना है।
- (2) पूर्व में किये गये वे कर्म जिनका फल भोग इस जन्म में प्रारम्भ नहीं हुआ है।
- (3) पूर्व में किये गये वे कर्म जिनका फल कभी नहीं भोगना है।
- (4) वर्तमान समय में किये जा रहे वे कर्म, जिनका फल भविष्य में प्राप्त होगा।

29 According to Samkhya Prakriti is :

- (1) Sum of five Mahabhuts
- (2) Part of Brahma
- (3) Satva, Raja, Tam gunas are the nature of Prakriti
- (4) Only Imagination

सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति है :

- (1) पाँच महाभूतों का योग
- (2) ब्रह्म का अंश
- (3) सत्व, रज और तम गुण स्वरूप
- (4) मानसिक कल्पना मात्र

30 According to Samkhya Purusha is :

- (1) Embodied conscious element
- (2) Satchitanand nature
- (3) Has the qualities of, Jnan, Darshan, Sukh and Virya
- (4) Devoid of Jnan, Devoid of Anand, pure consciousness

सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुष है :

- (1) सशरीरी चेतन तत्व
- (2) सच्चिदानन्द स्वरूप
- (3) ज्ञान, दर्शन, सुख और वीर्य गुणों से सम्पन्न
- (4) ज्ञानरहित, आनन्दरहित शुद्ध अनुभूति स्वरूप चेतन तत्व

31 According to Nyaya philosophy :

- (1) Consciousness is the natural quality of soul.
- (2) Consciousness is accidental quality of soul.
- (3) Consciousness is the quality of body.
- (4) Consciousness is only a stream of momentary consciousness.

न्याय दर्शन के अनुसार

- (1) चेतना आत्मा का स्वाभाविक गुण है।
- (2) चेतना आत्मा का आगन्तुक गुण है।
- (3) चेतना शरीर का गुण है।
- (4) चेतना क्षणिक विज्ञानों का प्रवाह मात्र है।

32 According to Jain Philosophy word 'Syat' means -

- (1) Doubt
- (2) Probably
- (3) Acertain stand point
- (4) Personal view point

जैन दर्शन के अनुसार 'स्यात्' पद का अर्थ है -

- (1) संशय
- (2) संभवतः
- (3) एक निश्चित वस्तुनिष्ठ अपेक्षा
- (4) व्यक्तिगत दृष्टिकोण

33 According to Mimansa Philosophy meaning of 'Apurva' is :

- (1) The karm which was not done in past.
- (2) The invisible power (Adrashta shakti) arising due to karm
- (3) Surprising event
- (4) Basis of 'Arthapatti'

मीमांसा दर्शन के अनुसार 'अपूर्व' का अर्थ है -

- (1) वह कर्म, जो पूर्व में नहीं हुआ
- (2) कर्म से उत्पन्न अदृष्ट शक्ति
- (3) आश्चर्यजनक घटना
- (4) अर्थापत्ति का आधार

34 According to Charvak Purusharth is -

- (1) Dharma, Artha and Kama
- (2) Dharma, Artha and Moksh
- (3) Artha and Kama
- (4) Dharma, Artha, Kama and Moksh

चार्वाक के अनुसार पुरुषार्थ हैं -

- (1) धर्म, अर्थ और काम
- (2) धर्म, अर्थ और मोक्ष
- (3) अर्थ और काम
- (4) धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष

35 Of the following which one is not relevant as the proof of 'momentariness' (Kshanikvad) ?

- (1) 'Arthakriyakaritva' is the characteristic reality.
- (2) Each person experiences the changing nature of things.
- (3) Destruction is the vary nature of things and their destruction is without cause.
- (4) Buddhist philosophers have propounded the theory of momentariness (Kshanikvad).

निम्नलिखित में से क्षणिकवाद की सिद्धि के लिये अप्रासंगिक है -

- (1) 'अर्थक्रियाकारित्व' सत्ता का लक्षण है।
- (2) प्रत्येक व्यक्ति को जगत के पदार्थों के परिवर्तनशील स्वरूप का अनुभव होता है।
- (3) नष्ट होना प्रत्येक पदार्थ का स्वभाव है तथा उनका विनाश निर्वहेतुक होता है।
- (4) बौद्ध दार्शनिकों द्वारा क्षणिकवाद का प्रतिपादन किया गया है।

36 According to Yoga Philosophy the internal means of yoga's are :

- (1) Yama, Niyama, Aasan
- (2) Aasan, Pranayam, Pratyahar
- (3) Dharna, Dhyana, Samadhi
- (4) Tap, Svadhyaya, Ishvar Pranidhan

योग दर्शन के अनुसार योग के अंतरंग साधन हैं -

- (1) यम, नियम, आसन
- (2) आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार
- (3) धारणा, ध्यान, समाधि
- (4) तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधान

37 According to 'Anekantvad' theory of Jainism

- (1) Everything is 'Anant Dharmatmak'
- (2) There are infinite substances in the world
- (3) There are infinite substances in the world and each substance is single natured
- (4) Every substance is independently existent

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद सिद्धान्त के अनुसार -

- (1) प्रत्येक वस्तु अनन्त धर्मात्मक है ।
- (2) जगत में अनन्त द्रव्यों की सत्ता है ।
- (3) जगत में अनन्त द्रव्यों की सत्ता है तथा प्रत्येक द्रव्य एक-स्वभावी है ।
- (4) प्रत्येक द्रव्य की स्वतन्त्र सत्ता है ।

38 According to Vivekanand the relation between Brahman and Jiva is -

- (1) Identity (2) Inherence
(3) Conjunction (4) No relation

विवेकानन्द के अनुसार ब्रह्म और जीव में सम्बन्ध है :

- (1) तादात्म्य (2) संयोग
(3) समवाय (4) कोई सम्बन्ध नहीं है

39 Of the following the statement not accepted by 'Sunnyavad' is :

- (1) There is complete non existence of any type of 'Padarth' (Thing).
(2) Nothing is self existent (स्वभाव).
(3) Everything in the world has relative nature.
(4) Existence is chaturkotivinirmukt and Anirvachaniya.

निम्नलिखित में से शून्यवाद जिसे अस्वीकार करता है, वह कथन है :

- (1) जगत में किसी भी प्रकार के पदार्थ का पूर्ण अभाव है।
(2) प्रत्येक पदार्थ स्वभाव शून्य है।
(3) जगत का प्रत्येक पदार्थ अन्य सापेक्ष स्वरूप से युक्त है।
(4) सत्ता चतुष्कोटिविनिर्मुक्त तथा अनिर्वचनीय है।

40 Correct memory is true knowledge, this view is accepted by -

- (1) Prabhakar (2) Kumaril
(3) Nyaya Philosophy (4) Jain Philosophy

यथार्थ स्मृति प्रमा है, इस मत को स्वीकार करता है -

- (1) प्रभाकर (2) कुमारिल
(3) न्याय दर्शन (4) जैन दर्शन

41 The view that in every knowledge 'Knower, known and knowledge' are known is accepted by :

- (1) Jaimini (2) Prabhakar
(3) Kumaril (4) Nyaya

प्रत्येक ज्ञान में ज्ञाता, ज्ञेय और ज्ञान तीनों ज्ञात होते हैं, इस मत को स्वीकार करते हैं :

- (1) जैमिनी (2) प्रभाकर
(3) कुमारिल (4) न्याय

42 Idealism is that theory which accepts -

- (1) Only material objects exist and soul and God does not exist.
(2) World has independent existence from God.
(3) Only knower and his knowledge exist and material objects do not exist.
(4) External world and material objects have independent existence from the knower

विज्ञानवाद वह सिद्धान्त है जिसके अनुसार -

- (1) मात्र जड़ पदार्थों की ही सत्ता है तथा आत्मा और ईश्वर की सत्ता नहीं है ।
(2) जगत की ईश्वर से स्वतन्त्र सत्ता है ।
(3) मात्र ज्ञाता और उसके ज्ञान की ही सत्ता है तथा जड़ पदार्थों की सत्ता नहीं है ।
(4) बाहरी जगत और जड़ पदार्थों की ज्ञाता से स्वतन्त्र सत्ता है

43 According to Buddhism perception is that immediate knowledge, which

- (1) is indeterminate
- (2) is determinate
- (3) is determinate chittvritti
- (4) is both kind - indeterminate and determinate

बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष पदार्थ का वह साक्षात्कारात्मक ज्ञान है जो

- (1) निर्विकल्पक है
- (2) सविकल्पक है
- (3) निश्चयात्मक चित्तवृत्ति स्वरूप है
- (4) निर्विकल्पक और सविकल्पक दोनों ही प्रकार का है

44 Meaning of Loksangrah in Geeta is :

- (1) Renunciation of all the actions
- (2) Action for the good of society
- (3) Action for self interest
- (4) Action with no relevance to anybody's interest

गीता में लोकसंग्रह का आशय है :

- (1) सभी कर्मों का त्याग करना
- (2) समाज के शुभ के लिये कर्म करना
- (3) निज हित के लिये कर्म करना
- (4) ऐसे कर्म करना जिसमें किसी का भी हित प्रासंगिक न हो

45 "Impure means cannot yield pure ends, because impurity of means destroys the purity of ends." The type of relationship between ends and means, implied in this statement is -

- | | |
|-----------------|--------------|
| (1) Identity | (2) External |
| (3) Conjunction | (4) Internal |

"अपवित्र साधन से पवित्र साध्य नहीं पाया जा सकता, क्योंकि साधन की अपवित्रता साध्य की पवित्रता को नष्ट कर देती है।" उक्त कथन में निहित साध्य व साधन सम्बन्ध का प्रकार है -

- | | |
|---------------|-------------|
| (1) तादात्म्य | (2) बाह्य |
| (3) संयोग | (4) आन्तरिक |

46 According to S'ankaracharya God through his 'maya'

- (1) Really creates the world
- (2) Covers essential nature and imposes worldliness on it
- (3) Provides real knowledge to creatures of the world.
- (4) Provides moksha (liberation) to jivatmas.

शंकराचार्य के अनुसार ईश्वर अपनी माया से

- (1) जगत की वास्तविक रचना करता है ।
- (2) अपने मूल स्वरूप को आवृत करके उस पर जगतरूपता को आरोपित करता है ।
- (3) जगत के प्राणियों को यथार्थ ज्ञान प्रदान करता है ।
- (4) जीवात्माओं को मोक्ष प्रदान करता है ।

The theory of Sarvamuktivad is propounded by :

- | | |
|--------------------|------------------|
| (1) Mahatma Gandhi | (2) Vivekanand |
| (3) Radhakrishnan | (4) R. D. Ranade |

सर्वमुक्तिवाद सिद्धान्त के प्रतिपादक है :

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) महात्मा गाँधी | (2) विवेकानन्द |
| (3) राधाकृष्णन | (4) आर. डी. रानाडे |

48 According to Plato the cardinal virtue of business class is :

- | | |
|----------------|-------------|
| (1) Wisdom | (2) Courage |
| (3) Temperance | (4) Justice |

प्लेटो के अनुसार व्यापारी वर्ग का मुख्य सद्गुण है :

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) विवेक | (2) साहस |
| (3) संयम | (4) न्याय |

49 Environmental ethics specially deals with -

- (1) A factual study the nature of environment in different parts of the world.
- (2) Causes of the origin of environment.
- (3) Relation between men and environment.
- (4) A normative study of the solutions of the problems, arising because of the harms done to environment by today's technological advancement.

पर्यावरण नीतिशास्त्र विशेष रूप से विचार करता है -

- (1) विश्व के विभिन्न भागों के पर्यावरण के तथ्यपरक स्वरूप का अध्ययन।
- (2) पर्यावरण के उद्भव के कारणों का।
- (3) मानव और पर्यावरण के मध्य विद्यमान सम्बन्धों का।
- (4) आज के तकनीकी विकास से हो रही पर्यावरण की क्षति से उत्पन्न समस्याओं के आदर्शपरक समाधान का विवेचन।

50 Which one of the following is a secondary quality according to Locke

- (1) extension (2) shape
(3) number (4) smell

लॉक के अनुसार निम्नलिखित में से गौण गुण है -

- (1) विस्तार (2) आकार
(3) संख्या (4) गंध

51 Theory of interactionism is propounded by :

- (1) Descartes (2) Spinoza
(3) Leibniz (4) Locke

क्रियाप्रतिक्रियावाद सिद्धान्त के प्रतिपादक है -

- (1) देकार्त (2) स्पिनोजा
(3) लाइबनीज़ (4) लॉक

52 According to Aristotle God is unmoved mover because -

- (1) he is the creator of the world.
(2) he is omniscient and omnipotent.
(3) he is formal cause, efficient cause and final cause of the movement of the world's objects.
(4) God is formless and qualityless.

अरस्तु के अनुसार ईश्वर गतिहीन चालक है क्योंकि

- (1) वह जगत का सृष्टा है ।
(2) वह सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान है ।
(3) वह जगत के पदार्थों की गति का स्वरूप कारण, निमित्त कारण और लक्ष्य कारण है ।
(4) ईश्वर निर्गुण और निराकार है ।

According to Hume causal relationship in the events of world :

- (1) known as the necessary truths.
- (2) known as possible truths.
- (3) are non existent.
- (4) are unknowable and unknown universal laws.

ह्यूम के अनुसार जगत की विभिन्न घटनाओं में कारणकार्य सम्बन्ध :

- (1) अनिवार्य सत्य के रूप में ज्ञात हो सकते हैं ।
- (2) संभाव्य सत्य के रूप में ज्ञात होते हैं ।
- (3) का सद्भाव नहीं है ।
- (4) ऐसे सार्वभौमिक नियम हैं जो अज्ञात और अज्ञेय हैं ।

54 According to Aristotle in the context of the explanation of the world's changing nature, matter means -

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (1) material cause | (2) efficient cause |
| (3) formal cause | (4) final cause |

अरस्तु के अनुसार जगत के परिवर्तनशील स्वरूप की व्याख्या के सन्दर्भ में द्रव्य अर्थ है -

- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) उपादान कारण | (2) निमित्त कारण |
| (3) स्वरूप कारण | (4) लक्ष्य कारण |

55 According to Plato Ideas are not -

- | | |
|---------------------------|-------------------------------|
| (1) Beyond space and time | (2) Universal and axiological |
| (3) Eternal realities | (4) Mental images |

प्लेटो के अनुसार प्रत्यय नहीं है -

- | | |
|-------------------------|--------------------------|
| (1) देशकाल से परे | (2) सामान्य एवं मूल्यपरक |
| (3) शाश्वत चिरन्तन, सत् | (4) मानस प्रतिबिम्ब |

56 "Esse est percipi" Philosopher associated with this statement is :

- (1) Descartes (2) Locke
(3) Hume (4) Berkely

'दृष्टि ही सृष्टि है' कथन से सम्बद्ध दार्शनिक हैं :

- (1) देकार्त (2) लॉक
(3) ह्यूम (4) बर्कले

57 According to Moore -

- (1) Consciousness and the object of consciousness are identical.
(2) Consciousness and the object of consciousness are different.
(3) Object are dependent on the act of awareness.
(4) Objects are merely mental images.

मूर के अनुसार -

- (1) चेतना एवं चेतना का विषय अभिन्न है ।
(2) चेतना और चेतना का विषय भिन्न भिन्न है ।
(3) विषयों का अस्तित्व उनके ज्ञान पर निर्भर है ।
(4) विषय मात्र मानसिक प्रतिमाएँ है ।

58 According to Kant the propositions of mathematic are

- (1) Analytic judgement
(2) Synthetic a priori judgement
(3) Synthetic a posteriori judgement
(4) Ontological statement

काण्ट के अनुसार गणित की प्रतिज्ञप्तियाँ हैं -

- (1) विश्लेषणात्मक निर्णय
(2) प्रागानुभविक संश्लेषणात्मक निर्णय
(3) आनुभविक संश्लेषणात्मक निर्णय
(4) तत्वमीमांसीय कथन

9 According to Kant space and time are :

- (1) Realities relative to experience
- (2) Absolute realities independent of experiences
- (3) Empirical forms of sensibility
- (4) Transcendental forms of sensibility

काण्ट के अनुसार देशकाल हैं -

- (1) अनुभव सापेक्ष सत्
- (2) अनुभव निरपेक्ष सत्
- (3) संवेदना के आनुभविक आकार
- (4) संवेदना के प्राणानुभविक आकार

60 Spinoza is :

- | | |
|-------------|---------------|
| (1) Atheist | (2) Theist |
| (3) Deist | (4) Pantheist |

स्पिनोजा है

- | | |
|---------------------|-------------------|
| (1) निरीश्वरवादी | (2) ईश्वरवादी |
| (3) तटस्थ ईश्वरवादी | (4) सर्वेश्वरवादी |

61 I have a innate idea of perfect being. There has to be a perfect being corresponding to this idea, hence God is. This argument of Descartes is called :

- | | |
|---------------------------|---------------------------|
| (1) Ontological argument | (2) Causal argument |
| (3) Cosmological argument | (4) Teleological argument |

मेरे अन्दर पूर्ण सत्ता का जन्मजात प्रत्यय है । इस प्रत्यय के अनुरूप पूर्ण सत्ता का होना आवश्यक है । अतः ईश्वर है । देकार्त की इस युक्ति को कहा जाता है :

- | | |
|--------------------|----------------------|
| (1) सत्तामूलक तर्क | (2) कारणतामूलक तर्क |
| (3) विश्वमूलक तर्क | (4) प्रयोजनमूलक तर्क |

62 "At the time of birth mind is a "tabula Rasa" is a statement by

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) Plato | (2) Aristotle |
| (3) Descartes | (4) Locke |

“जन्म के समय मन कोरे कागज के समान है”, यह कथन है :

- | | |
|----------------|---------------|
| (1) प्लेटो का | (2) अरस्तु का |
| (3) देकार्त का | (4) लॉक का |

63 According to Locke the idea of colour gained through ocular perception is called :

- | | |
|-------------------|------------------|
| (1) Simple idea | (2) Complex idea |
| (3) Abstract idea | (4) Innate idea |

लॉक के अनुसार चाक्षुष प्रत्यक्ष से प्राप्त होने वाला रंग का प्रत्यय कहलाता है :

- | | |
|--------------------------|---------------------|
| (1) सरल प्रत्यय | (2) जटिल प्रत्यय |
| (3) अमूर्त बोधित प्रत्यय | (4) जन्मजात प्रत्यय |

64 "Maximum pleasure of the maximum person is Good", this theory is called :

- | | |
|------------------|-----------------------|
| (1) Hedonism | (2) Utilitarianism |
| (3) Intuitionism | (4) Selfperfectionism |

“अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख ही शुभ है” यह सिद्धान्त कहलाता है :

- | | |
|---------------------|--------------------|
| (1) सुखवाद | (2) उपयोगितावाद |
| (3) अन्तःप्रज्ञावाद | (4) आत्मपूर्णतावाद |

65 According to Kant "Good Will" is :

- (1) Good because it is practical.
- (2) Good because it given good results.
- (3) Good in itself - that is unconditionally good.
- (4) Good because it has social approval.

काण्ट के अनुसार "शुभ संकल्प" :

- (1) शुभ है क्योंकि यह व्यावहारिक है।
- (2) शुभ है क्योंकि यह शुभ परिणामदायी है।
- (3) अपने आप में शुभ है, अर्थात् निरुपाधिक शुभ।
- (4) शुभ है क्योंकि समाज स्वीकृत है।

66 "One's owe pleasure is Good", Hobbs establishes this theory on the basis of :

- (1) Psychological Hedonism
- (2) Ethical Hedonism
- (3) Intuition
- (4) Social reality

"स्वयं का सुख ही शुभ है" हॉब्स इस सिद्धान्त को जिस आधार पर प्रतिपादित करता है, वह आधार है :

- (1) मनोवैज्ञानिक सुखवाद
- (2) नैतिक सुखवाद
- (3) अन्तःप्रज्ञा
- (4) सामाजिक यथार्थ

67 Theory of the calculus of pleasure is propounded by :

- (1) Hobbs
- (2) Bentham
- (3) Mill
- (4) Sidjwick

सुख कलन के सिद्धान्त का प्रतिपादक है :

- (1) हॉब्स
- (2) बेन्थम
- (3) मिल
- (4) सिजविक

68 The principle "Duty for duty sake" is propounded by :

- (1) Butler (2) Moore
(3) Stevenson (4) Kant

‘कर्तव्य के लिये कर्तव्य पालन’ इस सिद्धान्त का प्रतिपादक है :

- (1) बटलर (2) मूर
(3) स्टीवेन्सन (4) कांट

69 According to the trusteeship principle of Gandhi :

- (1) Government should nationalize the property of capitalists
(2) Capitalists' property should be distributed among poors
(3) Capitalists should consider themselves as custodian of property, not the owners of property and should use the property in the interest of society
(4) Capitalists should themselves donate their property for social work.

गाँधी के न्यासिता सिद्धान्त के अनुसार :

- (1) सरकार द्वारा पूँजीपतियों की सम्पत्ति का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाना चाहिये
(2) पूँजीपतियों की सम्पत्ति को निर्धनों में बाँट दिया जाना चाहिये
(3) पूँजीपति स्वयं को सम्पत्ति का स्वामी न मानकर सम्पत्ति का संरक्षक माने एवं सम्पत्ति का उपयोग समाज हित में करें
(4) पूँजीपति स्वयं अपनी सम्पत्ति का सामाजिक कार्यों के लिए दान कर दें

70 Which of the following is not a presupposition of morality according to Kant ?

- (1) Categorical imperative (2) Freedom of will
(3) Immortality of soul (4) Existence of God

काण्ट के अनुसार निम्नलिखित में से नैतिकता की पूर्वमान्यता नहीं है :

- (1) निरपेक्ष आदेश (2) संकल्प की स्वतन्त्रता
(3) आत्मा की अमरता (4) ईश्वर का अस्तित्व

71 That branch of Ethics which studies the nature of moral terms and moral judgements is called :

- (1) Normative Ethics (2) Virtue Ethics
(3) Metaethics (4) Applied Ethics

नीतिशास्त्र की वह शाखा, जिसमें नैतिक पदों और निर्णयों के स्वरूप का अध्ययन किया जाता है, कहलाती है :

- (1) नियामक नीतिशास्त्र (2) सद्गुण नीतिशास्त्र
(3) अधिनीतिशास्त्र (4) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

72 "Knowledge is virtue" this view of Socrates is refuted by :

- (1) Parmenides (2) Democritus
(3) Plato (4) Aristotle

“ज्ञान ही सद्गुण है” सुकरात का यह मत अस्वीकार किया गया है :

- (1) पार्मेनाइडिज द्वारा (2) डेमोक्रीटस द्वारा
(3) प्लेटो द्वारा (4) अरस्तु द्वारा

73 "Virtue is the middle position between two extreme positions".
This is the statement of :

- (1) Sophists
- (2) Socrates
- (3) Plato
- (4) Aristotle

“सद्गुण दो अतिवादी स्थितियों के मध्य की अवस्था है।” यह कथन है :

- (1) सोफिस्ट का
- (2) सुकरात का
- (3) प्लेटो का
- (4) अरस्तु का

74 According to Aristotle bliss is the Good as the end and it is attained by :

- (1) Sensual enjoyment
- (2) Niskam karma
- (3) Ascetic and contemplative way of life
- (4) Rational and virtuous life

अरस्तु के अनुसार आनन्द साध्य रूप में शुभ है तथा यह प्राप्त होता है :

- (1) इन्द्रियों के भोगों से
- (2) निष्काम कर्म से
- (3) तपस्वी और चिन्तनात्मक जीवनशैली से
- (4) बौद्धिक और सद्गुणी जीवन से

75 According to Plato cardinal virtues are :

- (1) Wisdom, Courage, Temperance, Justice
- (2) Wisdom, Love, Service, Renunciation
- (3) Love, Pity, Altruism, Courage
- (4) Love, Courage, Temperance, Justice

प्लेटो के अनुसार मुख्य सद्गुण हैं :

- (1) विवेक, साहस, संयम, न्याय
- (2) विवेक, प्रेम, सेवा, त्याग
- (3) प्रेम, दया, परोपकार, साहस
- (4) प्रेम, साहस, संयम, न्याय

76 According to Kant morality is based on :

- (1) Pure reason
- (2) Practical reason
- (3) Mathematical reason
- (4) Formal reason

काण्ट के अनुसार नैतिकता आधारित है :

- (1) शुद्ध तर्कणा पर
- (2) व्यावहारिक तर्कणा पर
- (3) गणितीय तर्कणा पर
- (4) आकारिक तर्कशास्त्र पर

77 A person is morally responsible for his action only when :

- (1) he is free to do or not to do the work
- (2) he is in possession of his mental faculties
- (3) he has the ability to do the work
- (4) all of the above

एक व्यक्ति अपने कार्यों के लिये नैतिक दृष्टि से उत्तरदायी तभी होता है जबकि :

- (1) वह कार्य को करने या नहीं करने के लिये स्वतन्त्र हो
- (2) उसमें सोचने समझने की क्षमता हो
- (3) उसमें उस कार्य को करने की योग्यता हो
- (4) उपर्युक्त सभी

78 According to Charvak inference is not a valid source of knowledge, because :

- (1) World's events happen accidentally.
- (2) The events of the world depend on divine will.
- (3) It is impossible to know the presence of universal causal relation in events of the world.
- (4) World is made of four elements.

चार्वाक के अनुसार अनुमान प्रमाण नहीं है, क्योंकि :

- (1) जगत में घटनाएँ आकस्मिक रूप से घटित होती हैं।
- (2) जगत की घटनाएँ ईश्वरीय इच्छा पर निर्भर हैं।
- (3) जगत की घटनाओं के मध्य विद्यमान सार्वभौमिक कारणकार्य नियमों का ज्ञान असम्भव है।
- (4) जगत चार महाभूतों से बना है।

79 Vyapti relation is :

- (1) the necessary and unconditional relation between hetu and sadhya
- (2) conditional relation between hetu and sadhya
- (3) accidental relation between hetu and sadhya
- (4) identical relation between hetu and sadhya

व्याप्ति सम्बन्ध है :

- (1) हेतु और साध्य के मध्य नियत और अनौपाधिक सम्बन्ध
- (2) हेतु और साध्य के मध्य सौपाधिक सम्बन्ध
- (3) हेतु और साध्य के मध्य आकस्मिक सम्बन्ध
- (4) हेतु और साध्य के मध्य तादात्म्य सम्बन्ध

80 According to Jain Philosophy, the to liberation is through :

- (1) Ashtang Marg
- (2) Ratantraya
- (3) Ashtang Sadhan
- (4) Brahamjnan

जैन दर्शन के अनुसार मोक्ष प्राप्ति का उपाय है :

- (1) अष्टांग मार्ग
- (2) रत्नत्रय
- (3) अष्टांग साधन
- (4) ब्रह्मज्ञान

81 According to Charvak the material cause of the world is :

- (1) Four Mahabhutas
- (2) Prakriti
- (3) Ishwar
- (4) Atman

चार्वाक के अनुसार जगत का उपादान कारण है :

- (1) चार महाभूत
- (2) प्रकृति
- (3) ईश्वर
- (4) आत्मा

82 According to Nyaya Philosophy God is :

- (1) material cause of the world
- (2) efficient cause of the world
- (3) both material and efficient cause of the world
- (4) neither material, nor efficient cause of the world

न्याय दर्शन के अनुसार ईश्वर है :

- (1) जगत का उपादान कारण
- (2) जगत का निमित्त कारण
- (3) जगत का उपादान और निमित्त कारण
- (4) जगत का न उपादान कारण, न निमित्त कारण

83 "Cloth is in the thread", according to Vaisheshik Philosophy here the between threads and cloth is :

- (1) identity
- (2) conjunction
- (3) inherence
- (4) all of the above

“तन्तुओं में वस्त्र है” वैशेषिक दर्शन के अनुसार यहाँ तन्तु और वस्त्र के मध्य सम्बन्ध है :

- (1) तादात्म्य
- (2) संयोग
- (3) समवाय
- (4) उपर्युक्त सभी

84 According to Jainism soul is :

- (1) shapeless
- (2) atomic
- (3) all pervasive
- (4) equal extension with his body

जैन दर्शन के अनुसार आत्मा है :

- (1) आकार रहित
- (2) अणु रूप
- (3) विभु रूप
- (4) स्वदेह परिमाण

85 According to Vaisheshik Philosophy substance is :

- (1) a substratum of quality and motion
- (2) a substratum of only quality
- (3) a substratum of only motion
- (4) not substratum of anything

वैशेषिक दर्शन के अनुसार द्रव्य है :

- (1) गुण और कर्म का आश्रय
- (2) मात्र गुणों का आश्रय
- (3) मात्र कर्म का आश्रय
- (4) किसी का भी आश्रय नहीं है

86 According to Akhyativad :

- (1) All knowledge is true and error does not exist.
- (2) Error arises due to missing of the differences of things situated at different spaces and times.
- (3) Error arise due to apprehension of one thing as another.
- (4) Error is Sat-Asat Vilakshana.

अख्यातिवाद के अनुसार :

- (1) समस्त ज्ञान यथार्थ है तथा भ्रम की सत्ता नहीं है।
- (2) भिन्न भिन्न स्थान और समय में स्थित पदार्थों को एक समझ लेने पर भ्रम की उत्पत्ति होती है।
- (3) एक वस्तु को अन्य वस्तु समझ लेने पर भ्रम की उत्पत्ति होती है।
- (4) भ्रम सत्-असत् विलक्षण है।

87 According to Sri Aurobindo the highest stage of the evolution of the world :

- (1) Matter
- (2) Consciousness
- (3) Mind
- (4) Supermind

श्री अरविन्द के अनुसार सृष्टि के विकास क्रम की सर्वोच्च अवस्था है :

- (1) जड़ तत्व
- (2) चेतना
- (3) मानस (बुद्धि)
- (4) अतिमानस

88 According to instrumentalism of Dewey :

- (1) Process of acquiring knowledge is means for the resolution of problems.
- (2) Acquisition of knowledge is self satisfying.
- (3) As an end knowledge is good and independent of any purpose.
- (4) Objects of knowledge are eternal realities.

ड्वी के उपकरणवाद के सिद्धान्त के अनुसार :

- (1) ज्ञानार्जन की प्रक्रिया समस्याओं के समाधान का साधन है।
- (2) ज्ञानार्जन स्वतः सुखाय होता है।
- (3) ज्ञान साध्य रूप में शुभ एवं प्रयोजन निरपेक्ष है।
- (4) ज्ञान के विषय शाश्वत सत्ताएँ हैं।

89 The transformation of material cause into effect is not a real transformation but only an appearance of transformation, is the view held by :

- (1) Ramanujacharya
- (2) S'ankaracharya
- (3) Nyaya Philosophy
- (4) Buddhist Philosophy

उपादान कारण का कार्यरूप में परिवर्तन वास्तविक परिवर्तन न होकर परिवर्तन का आभास मात्र है। इस मत को स्वीकार करते हैं :

- (1) रामानुजाचार्य
- (2) शंकराचार्य
- (3) न्याय दर्शन
- (4) बौद्ध दर्शन

90 According to asatkaryavad :

- (1) Effect is non existent.
- (2) Cause is non existent.
- (3) Effect is non existent in cause before its creation.
- (4) Effect is existent in cause before its creation.

असत्कार्यवाद के अनुसार :

- (1) कार्य की सत्ता का अभाव है।
- (2) कारण की सत्ता का अभाव है।
- (3) उत्पत्ति से पूर्व उपादान कारण में कार्य का अभाव है।
- (4) उत्पत्ति से पूर्व उपादान कारण में कार्य का सद्भाव है।

91 According to Nyaya Philosophy knowledge of knowledge

- (1) Through 'Swasamvedan' perception.
- (2) Through 'Anuvyasaya'.
- (3) Through 'Anuman'.
- (4) Through 'Arthapatti'.

न्याय दर्शन के अनुसार ज्ञान का ज्ञान

- (1) स्वसम्वेदन प्रत्यक्ष द्वारा ज्ञात होता है।
- (2) अनुव्यसाय द्वारा जाना जाता है।
- (3) अनुमान द्वारा ज्ञात होता है।
- (4) अर्थापत्ति द्वारा ज्ञात होता है।

92 According to Mimamsa Philosophy Vedas are :

- (1) uncreated and eternal
- (2) God's creation
- (3) written by ris'is
- (4) written by ordinary persons

मीमांसा दर्शन के अनुसार वेद हैं :

- (1) अपौरुषेय और शाश्वत
- (2) ईश्वरीय कृति
- (3) ऋषियों की रचना
- (4) सामान्य मानव की रचना

93 From the law of pre-established harmony is deduced -

- | | |
|-------------------|---------------|
| (1) Accidentalism | (2) Pantheism |
| (3) Determinism | (4) Atheism |

पूर्व स्थापित सामंजस्य के नियम से निगमित होता है -

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) यदृच्छावाद | (2) सर्वेश्वरवाद |
| (3) नियतिवाद | (4) निरीश्वरवाद |

94 According to Russell logical atoms are :

- (1) Ultimate constituents of logical analysis
- (2) Image of material atom
- (3) Sense data
- (4) Mental constructions

रसेल के अनुसार तार्किक अणु हैं :

- (1) तार्किक विश्लेषण के अन्तिम घटक
- (2) भौतिक अणु के प्रतिबिम्ब
- (3) इन्द्रिय प्रदत्त
- (4) मानसिक संरचना

95 According to Spinoza modes are not :

- | | |
|--------------------------------|-----------------------|
| (1) Transitory | (2) Relative to cause |
| (3) Situated in space and time | (4) Eternal |

स्पिनोजा के अनुसार पर्याय नहीं हैं :

- | | |
|----------------------|-----------------|
| (1) परिवर्तनशील | (2) कारणसापेक्ष |
| (3) देशकाल में स्थित | (4) शाश्वत |

96 According to Wittgensteins' use theory of language a word's meaning is :

- (1) Every word necessarily has a meaning which is independent of context.
- (2) A word has different meaning in different context.
- (3) Language merely describes the facts.
- (4) Meaningful sentence is either true or false.

विल्गिन्सटार्इन के भाषा के प्रयोग सिद्धान्त के अनुसार शब्द का अर्थ है :

- (1) प्रत्येक शब्द का अनिवार्यतः एक अर्थ होता है एवं वह संदर्भ निरपेक्ष होता है।
- (2) एक शब्द के भिन्न-भिन्न संदर्भ में भिन्न-भिन्न अर्थ होते हैं।
- (3) भाषा मात्र तथ्यों का वर्णन करती है।
- (4) सार्थक वाक्य या तो सत्य होते हैं या असत्य होते हैं।

97 In a universal affirmative proposition :

- (1) subject term distributed, predicate term undistributed
- (2) both subject and predicate terms distributed
- (3) both subject and predicate terms undistributed
- (4) subject term undistributed and predicate term distributed

एक सर्वव्यापी विध्यात्मक तर्कवाक्य में होता है :

- (1) उद्देश्य व्याप्य, विधेय अव्याप्य
- (2) उद्देश्य और विधेय दोनों व्याप्य
- (3) उद्देश्य और विधेय दोनों अव्याप्य
- (4) उद्देश्य अव्याप्य और विधेय व्याप्य

98 An immediate inference is that in which -

- (1) only one premise
- (2) two premises
- (3) three premises
- (4) more than three premises

अव्यवहित अनुमान उसे कहा जाता है जिसमें -

- (1) मात्र एक आधार वाक्य हो।
- (2) दो आधार वाक्य हों।
- (3) तीन आधार वाक्य हों।
- (4) तीन से अधिक आधार वाक्य हों।

99 According to George Boole existential import is :

- (1) only in A and E proposition
- (2) only in A and I proposition
- (3) only in E and O proposition
- (4) only in I and O proposition

जार्ज बुल के अनुसार सत्तात्मक तात्पर्य है :

- (1) मात्र A और E प्रतिज्ञप्तियों में
- (2) मात्र A और I प्रतिज्ञप्तियों में
- (3) मात्र E और O प्रतिज्ञप्तियों में
- (4) मात्र I और O प्रतिज्ञप्तियों में

100 For burning of a thing Oxygen is :

- (1) necessary cause
- (2) sufficient cause
- (3) both necessary and sufficient cause
- (4) neither necessary nor sufficient cause

किसी वस्तु के जलने का ऑक्सीजन है :

- (1) अनिवार्य कारण
- (2) पर्याप्त कारण
- (3) अनिवार्य और पर्याप्त दोनों कारण
- (4) न अनिवार्य कारण, न पर्याप्त कारण

101 In a categorical proposition major term is :

- (1) the predicate term of conclusion
- (2) the subject term of the conclusion
- (3) the term which exists in both premises
- (4) all of the above

एक निरपेक्ष न्याय वाक्य में मुख्य पद है :

- (1) निष्कर्ष का विधेय पद
- (2) निष्कर्ष का उद्देश्य पद
- (3) दोनों आधार वाक्यों में समान रूप से विद्यमान पद
- (4) उपरोक्त सभी

102 All artists are egoist.

Some artists are poor.

from these premises conclusion deduces :

- (1) All poors are egoist
- (2) No poor are egoist
- (3) Some poor are egoist
- (4) Some poor are not egoist

सभी कलाकार स्वसुखवादी होते हैं।

कुछ कलाकार दरिद्र होते हैं।

इन आधार वाक्यों से निगमित होने वाला निष्कर्ष है :

- (1) सभी दरिद्र स्वसुखवादी होते हैं।
- (2) कोई दरिद्र स्वसुखवादी नहीं होता।
- (3) कुछ दरिद्र स्वसुखवादी होते हैं।
- (4) कुछ दरिद्र स्वसुखवादी नहीं होते।

103 According to Radhakrishnan completely correct knowledge of reality can be attained :

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) by sense perception | (2) by verbal testimony |
| (3) by inference | (4) by intuition |

राधाकृष्णन के अनुसार सत्ता का पूर्णरूपेण यथार्थ ज्ञान प्राप्त होता है :

- | | |
|-------------------------------|-------------------------|
| (1) इन्द्रिय प्रत्यक्ष द्वारा | (2) शब्द प्रमाण द्वारा |
| (3) अनुमान द्वारा | (4) अन्तर्दृष्टि द्वारा |

104 According to Shri Arvind way of yoga is called :

- | | |
|---------------|----------------------|
| (1) Jnan yoga | (2) Karm yoga |
| (3) Raj yoga | (4) Purn advait yoga |

श्री अरविंद के योग मार्ग को कहा जाता है -

- | | |
|---------------|----------------------|
| (1) ज्ञान योग | (2) कर्म योग |
| (3) राज योग | (4) पूर्ण अद्वैत योग |

105 "Devdatta does not eat anything in the day time. After that he is becoming fat. Therefore he eats in night". In this example "he eats in night" this knowledge happens from :

- | | |
|----------------|----------------------|
| (1) Perception | (2) Inference |
| (3) Arthapatti | (4) Verbal testimony |

'देवदत्त दिन में कुछ भी नहीं खाता। फिर भी वह मोटा होता जा रहा है। अतः जरूर वह रात में खाता है।' इस दृष्टान्त में "वह रात में खाना खाता है" यह ज्ञान होता है :

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) प्रत्यक्ष से | (2) अनुमान से |
| (3) अर्थापत्ति से | (4) शब्द प्रमाण से |

106 According to Nyaya Philosophy which of the following is aprama ?

- | | |
|----------------|---------------|
| (1) Perception | (2) Inference |
| (3) Upaman | (4) Tarka |

न्याय दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में से अप्रमा है :

- | | |
|---------------|------------|
| (1) प्रत्यक्ष | (2) अनुमान |
| (3) उपमान | (4) तर्क |

107 According to Ravindra Nath Tagore, the most important characteristic of the path of self realization is :

- (1) Renunciation and Penance.
- (2) Rajyoga and Samadhi
- (3) Worship of God.
- (4) Extending love to all the creatures of the world and feeling oneness of the self in all of them

रवीन्द्र नाथ टैगोर के अनुसार आत्मानुभूति के मार्ग की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है :

- (1) संन्यास और तप
- (2) राजयोग और समाधि
- (3) भगवान की अर्चना
- (4) जगत के सभी प्राणियों में प्रेम का विस्तार करते हुए उनसे एकात्मता की अनुभूति

108 Intuitionistic utilitarianism is accepted by :

- (1) Hobbes
- (2) Bentham
- (3) Mill
- (4) Sidjwick

अन्तःप्रज्ञात्मक उपयोगितावाद को स्वीकार करता है :

- (1) हॉब्स
- (2) बेन्थम
- (3) मिल
- (4) सिजविक

109 According to Ramanuja God is :

- (1) nirguna
- (2) saguna
- (3) both nirgun and saguna
- (4) anirvachaniya

रामानुज के अनुसार ईश्वर है :

- (1) निर्गुण
- (2) सगुण
- (3) निर्गुण और सगुण दोनों
- (4) अनिर्वचनीय

110 According to Vivekanand Universal religion is :

- (1) Worship of God.
- (2) An instrument for social organisation.
- (3) Cause of conflict among believers of different religions.
- (4) That aspect of religion which is related to universal and intrinsic values.

विवेकानन्द के अनुसार सार्वभौमिक धर्म है :

- (1) भगवान की पूजा
- (2) समाज के संगठन का साधन
- (3) विभिन्न धर्मावलम्बियों के मध्य संघर्ष का कारण
- (4) धर्म का सार्वभौमिक और आन्तरिक मूल्यों से सम्बन्धित पक्ष

111 Extention can not be a essential quality of any substance.
This view is of :

- (1) Descartes
- (2) Spinoza
- (3) Leibniz
- (4) Locke

“विस्तार किसी ब्रह्म का अनिवार्य गुण नहीं हो सकता।” यह मत है :

- (1) देकार्त का
- (2) स्पिनोजा का
- (3) लाइबनीज़ का
- (4) लॉक का

112 According Jain Philosophy 'Nirjara' is :

- (1) Association of new Karmas with Atman.
- (2) Destruction of past finding Karmas.
- (3) Hindrance in coming of new Karmas.
- (4) Attraction of new Karmas towards Atman.

जैन दर्शन के अनुसार निर्जरा है :

- (1) नये कर्मों का आत्मा से सम्बद्ध होना
- (2) पूर्व बद्ध कर्मों का नष्ट होना
- (3) नये कर्मों के आगमन का अवरोध
- (4) नये कर्मों का आत्मा की ओर आकर्षण

113 Rins accepted in vedic tradition are :

- (1) Pitri Rin, Dev Rin, Matri Rin
- (2) Dev Rin, Rishi Rin, Pitri Rin
- (3) Rishi Rin, Guru Rin, Dev Rin
- (4) Matri Rin, Pitri Rin, Guru Rin

वैदिक परम्परा में स्वीकृत ऋण है -

- (1) पितृ ऋण, देव ऋण, मातृ ऋण
- (2) देव ऋण, ऋषि ऋण, पितृ ऋण
- (3) ऋषि ऋण, गुरु ऋण, देव ऋण
- (4) मातृ ऋण, पितृ ऋण, गुरु ऋण

114 The characteristic that differentiates men from of creatures is :

- (1) Political nature
- (2) Social nature
- (3) Family nature
- (4) Value seeking nature

मनुष्यों को अन्य प्राणियों से भिन्न करने वाली विशेषता है, उनका -

- (1) राजनैतिक स्वभाव
- (2) सामाजिक स्वभाव
- (3) पारिवारिक स्वभाव
- (4) मूल्यान्वेषी स्वभाव

115 According to Kant noumena :

- (1) is known through experience.
- (2) is known through God's words.
- (3) is known through intuition.
- (4) in unknown and unknowable.

काण्ट के अनुसार पारमार्थिक सत्ता :

- (1) इन्द्रियानुभव द्वारा ज्ञात होती है।
- (2) ईश्वरीय वचन द्वारा ज्ञात होती है।
- (3) अन्तःप्रज्ञा द्वारा ज्ञात होती है।
- (4) अज्ञात और अज्ञेय हैं।

116 'This world is real and the change of the worldly object is teleological'.
This view is of :

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) Plato | (2) Aristotle |
| (3) Berkeley | (4) Hume |

“यह जगत यथार्थ है तथा जगत की घटनाओं में हो रहा परिवर्तन सप्रयोजन है।”
इस मत को स्वीकार करता है :

- | | |
|------------|------------|
| (1) प्लेटो | (2) अरस्तु |
| (3) बर्कले | (4) ह्यूम |

117 Before producing the absence of a pot in the soil is called :

- | | |
|------------------|---------------------|
| (1) Pragbhava | (2) Pradhvansabhava |
| (3) Anyonyabhava | (4) Atyantabhava |

उत्पन्न होने से पूर्व मिट्टी में घड़े का अभाव कहलाता है :

- | | |
|------------------|------------------|
| (1) प्रागभाव | (2) प्रध्वंसाभाव |
| (3) अन्योन्याभाव | (4) अत्यन्ताभाव |

118 Which of the following combination is not correct ?

- (1) Anatmavad - Buddhism
- (2) Materialism - Charvak
- (3) Vishishtadvaita - Shankaracharya
- (4) Saptabhanginaya - Jainism

निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ?

- (1) अनात्मवाद - बौद्ध दर्शन
- (2) जड़वाद - चार्वाक
- (3) विशिष्टाद्वैत - शंकराचार्य
- (4) सप्तभंगीनय - जैन दर्शन

119 "That knowledge is true which works", this theory is called :

- (1) correspondence theory of truth
- (2) coherence theory of truth
- (3) pragmatic theory of truth
- (4) semantic theory of truth

“वह ज्ञान सत्य है जो अर्थक्रियाकारी है।” यह सिद्धान्त कहलाता है :

- (1) सत्य का अनुरूपता सिद्धान्त
- (2) सत्य का संसक्तता सिद्धान्त
- (3) सत्य का प्रयोजनवादी सिद्धान्त
- (4) सत्य का अर्थमीमांसीय सिद्धान्त

120 According to Kant, from the following which is not a moral law ?

- (1) Law of God
- (2) Law of Universality
- (3) Law of Kingdom of ends
- (4) Law of treating humanity as an end

काण्ट के अनुसार निम्न में से नैतिक नियम नहीं है :

- (1) ईश्वरीय नियम
- (2) सार्वभौमिकता का नियम
- (3) साध्यों के राज्य का नियम
- (4) मानवता को साध्य स्वीकार करने का नियम

121 Which statement is wrong with regards to constructivism ?

- (1) Knowledge must be transmitted by the teacher.
- (2) New knowledge is constructed on the basis of prior knowledge.
- (3) Knowledge can be constructed by the learner.
- (4) Learner is active and responsible for own learning.

निर्मितवाद के सन्दर्भ में कौन-सा कथन गलत है :

- (1) ज्ञान का संचरण आवश्यक रूप से शिक्षक द्वारा किया जाता है।
- (2) नवीन ज्ञान का सृजन पूर्व ज्ञान के आधार पर होता है।
- (3) अधिगमकर्ता, ज्ञान का सृजन कर सकता है।
- (4) अधिगमकर्ता स्वयं के अधिगम के लिए सक्रिय एवं उत्तरदायी होता है।

122 Interaction inside the classroom should generate :

- (1) Controversy
- (2) Information
- (3) Ideas
- (4) Argument

कक्षा में परस्पर संवाद से क्या उभरकर आना चाहिए ?

- (1) विवाद
- (2) सूचना
- (3) विचार
- (4) तर्क-वितर्क

123 School achievement of student depends upon :

- (1) Self-concept, Intelligence, Interest, Motivation
- (2) Interest, Intelligence, Motivation, Sex
- (3) Aptitude, Intelligence, Motivation, Caste
- (4) Interest, Intelligence, Body structure, Motivation

छात्र की विद्यालय उपलब्धि निर्भर करती है :

- (1) स्व-प्रत्यय, बुद्धि, रुचि, अभिप्रेरणा
- (2) रुचि, बुद्धि, अभिप्रेरणा, लिङ्ग
- (3) अभियोग्यता, बुद्धि, अभिप्रेरणा, जाति
- (4) रुचि, बुद्धि, शारीरिक बनावट, अभिप्रेरणा

124 Two factor theory of intelligence is given by :

- (1) Terman
- (2) Spearman
- (3) Guilford
- (4) Binnet

बुद्धि का द्विकारक सिद्धान्त दिया था :

- (1) टर्मन ने
- (2) स्पीयरमैन ने
- (3) गिलफोर्ड ने
- (4) बिनने ने

125 Function of communication is :

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (1) Sharing of information | (2) Education and training |
| (3) Motivation | (4) All of the above |

सम्प्रेषण का कार्य है :

- | | |
|--------------------------|--------------------------|
| (1) सूचना का आदान-प्रदान | (2) शिक्षा एवं प्रशिक्षण |
| (3) अभिप्रेरणा | (4) उपर्युक्त सभी |

126 Classroom teaching should be :

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) Intense | (2) Interactive |
| (3) Easy | (4) One-sided |

कक्षा-कक्ष शिक्षण होना चाहिए :

- | | |
|-----------|---------------|
| (1) तीव्र | (2) संवादमूलक |
| (3) सरल | (4) एक-तरफा |

127 Select most appropriate group with reference to adolescent girls and boys :

- (1) Reasoning, abstract thinking, decision making
- (2) Ideal, good adjustment, self respect
- (3) Observation, feeling of revolt, habit of repetition
- (4) Philosophy, good adjustment, feeling of social service

किशोर-किशोरियों के सन्दर्भ में सर्वोत्तम समूह चयनित कीजिए :

- (1) तार्किकता, अमूर्त चिन्तन, निर्णयशक्ति
- (2) आदर्शवादी, श्रेष्ठ समायोजन, स्व-सम्मान
- (3) निरीक्षण, विद्रोह की भावना, दोहराने की प्रवृत्ति
- (4) दर्शन, सु-समायोजन, समाजसेवा की भावना

128 Specific capacity to do a task well is known as :

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) Interest | (2) Perception |
| (3) Aptitude | (4) Attitude |

किसी कार्य को करने की विशिष्ट क्षमता को कहते हैं :

- | | |
|----------------|-------------------|
| (1) अभिरुचि | (2) प्रत्यक्षीकरण |
| (3) अभियोग्यता | (4) अभिवृत्ति |

129 A student trying admission for B.Ed. but failed in entrance exam. He used to say that he don't want to be a teacher. It is an example of :

- | | |
|---------------------|--------------------|
| (1) Sublimation | (2) Projection |
| (3) Rationalization | (4) Identification |

एक विद्यार्थी बी. एड. प्रवेश परीक्षा देता है और असफल रहता है। वह सबसे कहता है "मैं अध्यापक बनना ही नहीं चाहता हूँ" यह उदाहरण है :

- | | |
|----------------|-------------------|
| (1) उदात्तीकरण | (2) प्रक्षेपण |
| (3) युक्तिकरण | (4) तादात्म्यीकरण |

130 Indicator of good mental health is :

- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (1) Criticising others | (2) Rigid nature |
| (3) Day dreaming | (4) Emotional control |

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के संकेतक है :

- | | |
|---------------------------|------------------------|
| (1) दूसरों की आलोचना करना | (2) जिद्दी प्रवृत्ति |
| (3) दिवास्वप्न | (4) सांवेगिक नियन्त्रण |

131 Which is known as the brain of the computer ?

- (1) Motherboard (2) CPU
(3) RAM (4) ROM

कम्प्यूटर का मस्तिष्क कहलाता है, वह है :

- (1) मदरबोर्ड (2) सी.पी.यू.
(3) रैम (4) रोम

132 The distinctive characteristics of computer is :

- (1) Speed (2) Storage
(3) Accuracy (4) All the above

कम्प्यूटर की विशिष्ट विशेषता है :

- (1) गति (2) संभरण
(3) परिशुद्धता (4) उपर्युक्त सभी

133 Characteristics of computer assisted learning is :

- (1) It makes teaching easier
(2) Curriculum completed easily
(3) Useful for gifted students
(4) Student learn with his own pace

कम्प्यूटर सह-अधिगम की विशेषता है :

- (1) शिक्षक का शिक्षण कार्य आसान हो जाता है
(2) पाठ्यक्रम आसानी से पूरा हो जाता है
(3) प्रतिभाशाली बालकों के लिए उपयोगी है
(4) विद्यार्थी अपनी गति से सीखते हैं

134 Which of the following aspect of growth and development are interlinked ?

- (a) Physical
- (b) Intellectual
- (c) Social
- (d) Emotional
- (e) Moral

Code :

- (1) (a), (b) and (c)
- (2) (d) and (e)
- (3) (a), (c) and (d)
- (4) (a), (b), (c), (d) and (e)

निम्न में से वृद्धि और विकास के कौन-से आयाम एक दूसरे से जुड़े हैं ?

- (a) शारीरिक
- (b) बौद्धिक
- (c) सामाजिक
- (d) संवेगात्मक
- (e) नैतिक

कोड :

- (1) (a), (b) और (c)
- (2) (d) और (e)
- (3) (a), (c) और (d)
- (4) (a), (b), (c), (d) और (e)

135 Which of the following audio-visual aid fulfils affective objectives of learning objectives ?

- (a) Radio (b) Tape recorder
(c) Still picture (d) Television

Code :

- (1) Only (d) (2) (a) and (b)
(3) (a), (b) and (c) (4) (a), (b), (c) and (d)

निम्न में से कौन-सी दृश्य-श्राव्य सुविधा अधिगम हेतुओं के असरकारक हेतुओं को संतुष्ट करती हैं ?

- (a) रेडियो (b) टेप रिकार्डर
(c) स्थिर चित्र (d) टेलीविज़न

कोड :

- (1) सिर्फ (d) (2) (a) और (b)
(3) (a), (b) और (c) (4) (a), (b), (c) और (d)

136 According to the cephalocaudal principle, development proceeds from :

- (1) right to left (2) feet to head
(3) left to right (4) head to feet

मस्तिष्काधोमुखी सिद्धान्त के अनुसार विकास होता है :

- (1) दाँयी से बाँयी ओर (2) पैर से सिर की ओर
(3) बाँयी से दाँयी ओर (4) सिर से पैर की ओर

137 Drilling and practice are associated with :

- | | |
|--------------------|-----------------------|
| (1) Cognitivism | (2) Behaviourism |
| (3) Constructivism | (4) None of the above |

प्रशिक्षण एवं अभ्यास सम्बन्धित हैं :

- | | |
|-------------------------|-------------------------------|
| (1) संज्ञानात्मक वाद से | (2) व्यवहारवाद से |
| (3) निर्भितिवाद से | (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं |

138 Which one of the following is not an operating system ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) IBM AIX | (2) FireFox |
| (3) Linux | (4) Unix |

निम्नलिखित में से कौन-सा एक ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है ?

- | | |
|------------------------|----------------|
| (1) आई बी एम ए आई एक्स | (2) फायर फॉक्स |
| (3) लाइनक्स | (4) यूनिक्स |

139 Computer virus is a :

- | | |
|--------------|-------------------|
| (1) Hardware | (2) Bacteria |
| (3) Software | (4) None of these |

कम्प्यूटर वाइरस हैं :

- | | |
|---------------|-----------------------|
| (1) हार्डवेयर | (2) बैक्टीरिया |
| (3) सॉफ्टवेयर | (4) इनमें से कोई नहीं |

140 Linguaphone is an example of :

- | | |
|-----------------|-----------------------|
| (1) Audio aids | (2) Audio-visual aids |
| (3) Visual aids | (4) Activity aids |

लिंग्वाफोन उदाहरण है :

- | | |
|-----------------------|-----------------------------|
| (1) श्रव्य सामग्री का | (2) श्रव्य-दृश्य सामग्री का |
| (3) दृश्य सामग्री का | (4) क्रियात्मक सामग्री का |

141 Which of the following is not related to other options ?

- (1) Organising question answer session
- (2) Modeling the skills of self assessment
- (3) Taking feedback from student
- (4) Conducting quiz

निम्नलिखित में से कौन-सा एक अन्य विकल्पों से सम्बद्ध नहीं है ?

- (1) प्रश्नोत्तर सत्रों को संगठित करना
- (2) स्वआकलन के कौशल को प्रतिमार्जित करना
- (3) प्रकरण पर विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया लेना
- (4) प्रश्नोत्तरी परिचालित करना

142 Similarity between guidance and learning :

- (1) Both are child centred
- (2) Both are subject centred
- (3) Both stresses on feedback analysis
- (4) None of the above

निर्देशन एवं अधिगम के बीच समानता है :

- (1) दोनों छात्र केन्द्रित है
- (2) दोनों ही विषय-वस्तु केन्द्रित हैं
- (3) दोनों पृष्ठपोषण एवं पाठ्यविश्लेषण पर बल देते हैं
- (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

143 Which of the following does not deter problem solving ?

- (1) Insight (2) Mental sets
(3) Entertainment (4) Fixation

निम्नलिखित में से समस्या समाधान को क्या बाधित नहीं करता ?

- (1) अन्तर्दृष्टि (2) मानसिक प्रारूपता
(3) मोर्चाबन्दी (4) निर्धारण

144 In which of the following stages do children become active member of their peer group ?

- (1) Adulthood (2) Childhood
(3) Adolescence (4) Early childhood

निम्न में से किस अवस्था में बालक अपने समकक्षी वर्ग के सक्रिय सदस्य बनते हैं ?

- (1) वयस्कावस्था (2) बाल्यावस्था
(3) किशोरावस्था (4) पूर्व बाल्यावस्था

145 In operent conditioning the reinforcement is contingent upon :

- (1) Nature of the stimulus (2) Nature of the response
(3) Both (1) and (2) (4) None of these

क्रियाप्रसूत अनुकूलन में पुनर्बलन निर्भर करता है :

- (1) उद्दीपक की प्रकृति पर (2) अनुक्रिया की प्रकृति पर
(3) (1) एवं (2) दोनों पर (4) इनमें से कोई नहीं

146 Which one of the following is not a stage in Kohlberg's theory of moral development ?

- (1) Pre-conventional (2) Conventional
(3) Sensori-motor (4) Post-conventional

निम्न में से कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धान्त की अवस्था नहीं है :

- (1) प्राक्-रूढ़िगत (2) रूढ़िगत
(3) संवेदी-प्रेरक (4) पश्चात्-रूढ़िगत

147 In co-operative learning teachers have responsibility for :

- (1) acquiring sufficient resource material
- (2) determining group composition
- (3) facilitating appropriate seating arrangement
- (4) all the above

सहयोगशील अधिगम में अध्यापक की जिम्मेदारी होती है :

- (1) पर्याप्त संसाधन सामग्री एकत्रीकरण की
- (2) समूह रचना निर्धारण की
- (3) बैठक की उपयुक्त सुविधा प्रदान करने की
- (4) उपर्युक्त सभी

148 Classroom communication must be :

- (1) teacher centric
- (2) student centric
- (3) general centric
- (4) textbook centric

कक्षा-कक्ष सम्प्रेषण होना चाहिए :

- (1) शिक्षक-केन्द्रित
- (2) छात्र-केन्द्रित
- (3) सामान्य-केन्द्रित
- (4) पाठ्यपुस्तक-केन्द्रित

149 Mental health of child depends on :

- (1) School
- (2) Family
- (3) Community
- (4) All of the above

बालक का मानसिक स्वास्थ्य निर्भर करता है :

- (1) विद्यालय पर
- (2) परिवार पर
- (3) समुदाय पर
- (4) उपर्युक्त सभी

150 Defence mechanism is :

- (1) Shifting one's responsibility
- (2) Conscious behaviours
- (3) a mean of defending arguments
- (4) a protection shield to one's personality

प्रतिरक्षा प्रक्रिया है :

- (1) उत्तरदायित्वों का स्थानान्तरण
- (2) सचेतन व्यवहार
- (3) प्रतिरक्षा विवाद का साधन
- (4) व्यक्तित्व का रक्षा कवच



SPACE FOR ROUGH WORK / कच्चे काम के लिये जगह

